भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †844

सोमवार, 12 दिसम्बर, 2022/21 अग्रहायण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अंतर्राष्ट्रीय विरासत सर्किट का विकास

†844. श्री राजेन्द्र धेड्या गावितः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भविष्य के लिए भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करने वाले नवीनतम एजेंडे के तौर पर साझा धार्मिक संबंधों वाले देशों, विशेष रूप से हिंदू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, ईसाई धर्म, सूफीवाद आदि को शामिल करते हुए अंतर्राष्ट्रीय विरासत सर्किट विकसित करने के लिए कोई कार्रवाई शुरू की है;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार यह स्वीकार करती है कि भारत की आजादी के बाद से पिछले 75 वर्षों के दौरान भारत की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को सुव्यवस्थित तरीके से बढ़ावा देने के लिए ठोस पहल नहीं की जा सकी; और

(घ) क्या सरकार की योजना पर गौर करने, चर्चा के लिए कार्यकारी दस्तावेज तैयार करने और संभार-तंत्र सहित दस्तावेज़ को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञों के कार्यकारी समूह गठित करने की योजना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): भारत सरकार ने बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिये बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) का समर्थन किया है, जिसमें सात सदस्य राष्ट्र (बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड) शामिल हैं। भारत पर्यटन में अग्रणी देश है जो बिम्सटेक के 14 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है। भारत ने अन्य सदस्य देशों के साथ पर्यटन के बिम्सटेक ब्रांड के विकास के लिए बिम्सटेक क्षेत्र में पांच पर्यटक परिपथों की पहचान की है। इन परिपथों में बौद्ध परिपथ, मंदिर परिपथ, इको-पर्यटन परिपथ, क्रूज परिपथ और एडवेंचर परिपथ शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, बिम्सटेक ने बिम्सटेक 2030 पर्यटन कार्यनीति के लिए थीमैटिक परिपथों का लाभ उठाने पर एक अध्ययन रिपोर्ट भी संयोजित की है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) द्वारा

तैयार की गई अध्ययन रिपोर्ट में पर्यटन क्षेत्र के मुद्दों और आवश्यकताओं सहित बिम्सटेक क्षेत्र में एक व्यापक पर्यटन कार्यनीति विकसित करने संबंधी विवरण दिया गया है।

(ग) और (घ): पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न भारतीय पर्यटन उत्पादों और देश के पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देकर पर्यटन सृजक बाजारों में एक समग्र गंतव्य के रूप में भारत का संवर्धन करता है।

उपरोक्त उद्देश्यों को एक एकीकृत विपणन एवं संवर्धनात्मक रणनीति, और यात्रा व्यापार, राज्य सरकारों तथा भारतीय मिशनों के सहयोग से एक समन्वित अभियान के माध्यम से पूरा किया जाता है। सरकार लगातार उद्योग विशेषज्ञों और अन्य सम्बन्धित हितधारकों के साथ सम्पर्क में रहती है और भारत के विभिन्न पर्यटन उत्पादों के संवर्धन के लिए उनके सुझाव और प्रतिक्रिया लेती है।

****